

there is no question of finances forthcoming or not.

**SHRI D. P. JADEJA:** May I know from the hon. Minister whether a technical survey has been made to extend the Rajasthan Canal project to the northern districts of Gujarat, and if so....

**प्रध्यक्ष महोदय :** यह आप छोड़िये कहां ले जा रहे है इस को ?

**SHRI D. P. JADEJA:** Adjacent Districts.

**MR. SPEAKER:** There is no question of Gujarat in it.

बरेली और पीलीभीत के बीच स्थित बिजौरिया रेलवे स्टेशन का लूटा जाना

\*464. श्री हुकूम चन्द कछवाय : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 22-23 जून, 1973 को बरेली और पीलीभीत के बीच स्थित बिजौरिया रेलवे स्टेशन को सशस्त्र डाकूओं ने लूट लिया था; और

(ख) यदि हाँ तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI):** (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

#### Statement

(a) Yes, a dacoity occurred at Bijauria Railway Station of North-Eastern Railway on 22-6-1973.

(b) The following preventive measures are being taken to check such incidents in future:—

1. Apart from tightening up normal security arrangements by the Government Railway Police, such as keeping

watch at important stations and periodical raids to round up criminals and anti-social elements, Government Railway Police escorts are provided on important night passenger trains. The strength of the escorts is revised from time to time depending on the local situation.

2. Close liaison is maintained by the RPF with the GRP so that crime is effectively checked and surveillance is kept over bad characters.

3. Co-ordination meetings at all levels are also held by the R.P.F. officials with the Government Railway Police and State Police officials with a view to improving prevention and detection of crime on Railways.

4. Strict instructions have been issued to the Railway Protection Force Staff, on duty in yards or station platforms for guarding railway property, to rush to the scene of crime and render all possible help to the victims.

**श्री हुकूम चन्द कछवाय :** प्रध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक वक्तव्य सदन की मेज पर रखा है। इसमें इस बात का उल्लेख नहीं है कि बिजौरिया रेलवे स्टेशन पर 26-6-73 को डाका पड़ा उसमें कितना सामान लूटा गया, जो व्यक्ति लूटने के लिये आए थे वह कितने व्यक्ति थे, उनके पास किस प्रकार के शस्त्र थे और वक्तव्य में जो बताया है कि यह इन्तजाम किया है तो उस समय यह पुलिस वर्ग कहां थी, वहां पर पुलिस थी या नहीं थी ? मेरा निवेदन है कि आपने अपने वक्तव्य में कहा है कि आने वाले भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ कहीं नहीं होंगी तो मैं जानना चाहता हूँ क्या आपने पुलिस के जवानों को इस प्रकार के आदेश दिये हैं कि ऐसी

गुडागर्बी यदि रेलो में हो तो उन देवते ही गोली से मारें ?

श्री सुहृन्धव झाकी कुरेशी : यह जो बिजौरिया स्टेशन पर डाका पड़ा उसमें 5 आदमी स्टेशन पर आये, उनके हाथ में 12 बोर की बन्दूकें थीं, कुछ देखी रिबोलवर भी उनके पास थे। उन्होंने स्टेशन मास्टर, अस्तिस्टेंट स्टेशन मास्टर और हमारे एक और एम्पाई को उनके कमरे में जाकर डराया घबकाया, उन्हें कुछ न छीन ली और साईकल छीन ली आपने पूछा कि कितनी रकम ले गए है तो 37510 रु जो सरकारी कैश था वह लूटा गया है और एक से व्यक्तिगत तौर पर 35 रुपये 20 पैसे एक साईकल और थोड़ा का कैश प्लाइवुड के पास था वह छीना गया है जब यह बातचीत हुआ तब पुलिस ब्रिगेड पर मौजूद रही थी लेकिन इसकी इतला फले ही कहीं पुलिस पहुंची। कोई भी गश्त अभी तक गिरफ्तार नहीं हुआ है।

जहाँ तक रेलवे के सामान को नुकसान पहुंचाने का संबंध है इसके लिए एक बिल प्रसन्नमेन्ट के साबुके है जिसमें सजाय मौत तक मांगी गई है लेकिन जैसा माननीय सदस्य ने पूछा, अभी कोई ऐसा कानून नहीं है कि इस तरह के लोगो को देखते ही गोली चला दी जाये ?

श्री हुकूम चन्द कछवाय : क्या यह बिल सही है कि जितने रेलवे पुलिस के लोथ है उनमें अभिकास की इस प्रकार के गुडागर्बी वालों तकनी से साठ गांठ रहती है और इस तरह से जो भ्रम लूटा जाता है उसमें उनका भी प्रतिभक्त रहता है।

अध्यक्ष महोदय : यह कैसा क्वेश्चन है ? यह क्या बहस हो रही है ? आप प्रश्न करिये। (व्यवधान)

श्री हुकूम चन्द कछवाय : मंत्री जी ने जो स्टेटमेंट दिया है उसके ऊपर पूछ

रहते हैं। वकील जी ने जो उत्तर दिया है उससे कहा है कि हमने पुलिस वालों को महत्वपूर्ण गतिविधियों और महत्वपूर्ण स्टेशनों पर तैनात कर दिया है। इसके बाव भी यह घटनाएं होती रहती हैं तो भेदा कहना है क्या यह बिल सही नहीं है कि पुलिस के जो जवान अपने तैनात किए उनका इन गुडागर्बी वालों तत्वों से संबंध होता है और लूटके माल में उनका कुछ प्रतिशत रहता है और इसलिये क्या आप कोई ऐसी एजेन्सी रखेंगे जोकि इन तत्वों का पता लगा सके इस प्रकार की घटनाएं होती हैं और पुलिस उनका पता लगाने में कमजोर नहीं होती है, इसलिये मैं जमाना चाहता हूँ कि क्या इस प्रकार की आप कोई एजेन्सी रखेंगे जो इन तत्वों का पता लगा सके और जिन पुलिस वालों से उनकी संठ गांठ है उसको भी सामने ला सके ?

अध्यक्ष महोदय : अस्प. बतिये यह डा. कहां से आये थे क्या मध्य प्रदेश से आये थे ?

श्री सुहृन्धव झाकी कुरेशी : यह माल - फहमी जो है उसको में बुर करना चाहता हूँ। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स जो है वह रेलवे के मातहत है और उसको रेलवे के माल की और इन्स्टालेशन की हिफाजत करनी होती है। अगर रेलवे की प्रोमिसेज में या रेल के अन्दर कोई क्रिमिनल किस्म के बाकयात हों तो उनकी पकड़-पड़ताल क्वेश्चन देखके पुलिस करती है जेफिक स्टेट्स के मातहत करती है। अगर ऐसा कोई कंस बता दें जहाँ पर पुलिस और डाकुओं से मिल कर काम किया होते तो उसकी जांच की जायेगी इसके बाबजुद भी एक हमारा विजिलेन्स सेक्शन है जो इस बात को भी देखता है कि कहीं पर हमारे अन्. पी० एफ० और जी० आर० पी० के आदमी भी तो इन्चार्ज्ड रहते हैं।

श्री नरसिंह नारायण-रावः क्या माननीय मंत्री जी इस बात को देखते हुए इसकी मातहत कर्मों कि हर स्टेशन पर पुलिस या अन्. पी० एफ० का न्यूनतम पहरा है

जिससे वहाँ के लोगों की सुरक्षा हो सके और ट्रेन्स में भी इस तरह की कोई व्यवस्था करेये जिससे इस तरह की घटनाये न घटें।

श्री सुहृन्मद शशी कुरेशी : तमम जो ट्रेन्स चलती है उनमें इस तरह का बन्दोबस्त करना नामुमकिन है क्योंकि करीब 7 हजार ट्रेन्स चलती हैं लेकिन जिन ट्रेन्स में रात का सफर होता है या जो ग्रहम स्टेशन्स है उन पर पुलिस तर्फर की जाती है और इस बात को परखा और देखा जाता है कि वहाँ पर यात्रियों को पूरी हिफाजत मिल सके।

राजेश्वर प्रसाद यादव : मैं जानता हूँ कि धर्मा 24 तारिख को टाइम्स धाफ इडियः में निकलत कि कटिहार के पास दस हजार का सामान डाकुधो ने लुट लिया रिवालवर बिखाकर...

अध्यक्ष महोदय : आप वहाँ पर चल जाइये सबाल पूछिये।

श्री राजेश्वर प्रसाद यादव : क्या मंत्री जी ने इस बात को देखते हुए कि रोज-रोज इस तरह की घटनायें बढ़ती जा रही हैं सरकार की तरफ से इस तरह के कोई कारगर कदम उठाये जा रहे हैं जिनसे इसपर रोक लग सके और अनइन्दा इस तरह की रिक्वेन्स न हो।

श्री सुहृन्मद शशी कुरेशी : जरूर करेगे मैं ने अपने ब्यान में बतलाया है क्या इन्तजाम किए हैं जिससे रोक थाम हो सकती है। इसके अलावा भी स्टेट्स के होम मिनिस्टर, होम सकेटरीज और आई० एंड० पीज के साथ मिलकर मशिवरा किया जाता है कि कैसे इस तरह के बाकनयात की रोक थाम की जस्ये।

श्री इसहाक सम्मली : सपीकर सिंह, यह सिर्फ बिजौरियन रेलवे स्टेशन का सवाल नहीं है, कई जगह इस भर्से में ऐसे बाकनयात हुए हैं। बाज जगह चलती हुई ट्रेन्स पर, खास तौर पर गुडस ट्रेन्स पर हमबे हुए हैं और टूडला सेक्शन में एक गाई मारे भी गए हैं। रेलवे सबसे महत्वपूर्ण पब्लिक सेक्टर है इस सिलसिले में मैं मालुम करत चाहता हू कि जो हमारा नुकसान

होता है वह तो तकलीफ की बात है ही लेकिन रेलवेमेन्स की हिफाजत के लिए, रेलवे कर्मचारियों की हिफाजत के लिये सरकार कोई कदम उठाने पर गौर कर रही है। रेलवे मिनिस्ट्री को एक सजेसन भी दिया गया था कि जो रेलवे गाई बिलकुल जंगल में गाड़ी लेकर चलते है उनको बालवर दिए जाए ताकि कुछ तो उनकी हिफाजत का इन्तजाम हो सके, तो उसपर सरकार ने क्या किया?

श्री सुहृन्मद शशी कुरेशी : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स को रिवागर्नाइज किया जा रहा है और जो तजबीज माननीय सदस्य ने रखी है वह जेरेपोर है और मैं समझता हूँ कि आज कल के हाजात में जरूरी हो गई है कि ऐसी जगहों पर जहाँ एक ही गाई हो उस को अपनी हिफाजत के लिये हथियार मुहिया किया जाय।

#### Rural Electrification Schemes for Allahabad District

\*465 SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state the major rural electrification schemes under consideration for Allahabad District?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI BALGOVIND VEBMA): A statement is laid on the Table of the House.

#### Statement

The Rural Electrification Corporation which has been set up in the Central Sector provides additive finances to the State Electricity Boards for the implementation of their rural electrification schemes. The Corporation since its inception has so far sanctioned three schemes of Uttar Pradesh envisaging loan assistance of Rs. 241.596 lakhs for electrification of 431 villages, energisation of 3333 pumpsets and power supply to 1015 small scale and agro-industries in Allahabad District is pending consideration with the Rural Electrification Corporation.